अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

नारीलोक

लिखें शक्ति की नई ऋचाएं, अनुशासन के दीप जलाएं

अंक 278 | पंजीकृत कार्यालय : 'रोहिणी', अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल, लाडनूं (राजस्थान) | सितम्बर 2021

अणुव्रत चेतना

खाद्य संयम

वाणी संयम

मैत्री

स्वाध्याय

चारित्र

दर्शन

जप

ध्यान

ज्ञान

तप

क्षमा वीरस्य भूषणम्

ऊर्जावाणी

- नारी समाज को अगर उचित पथ–दर्शन दिया जाये तो वे पुरुषों से भी आगे बढ़ सकती है, ऐसा उनमें सामर्थ्य है।
- नारी का सौन्दर्य, पर्दा, आभूषण, प्रसाधन सामग्री नहीं है, उसका सौन्दर्य है – समता, ममता और क्षमता

आचार्य श्री तुलसी

ध्यान देने योग्य बातें –

- पुरुषार्थ की लौ को कभी मंद न होने दें।
- निर्वीय आदमी कुछ भी नहीं कर सकता।
- आज तक दुनिया में जितने बड़े काम हुए है, वे पुरुषार्थी लोगों के द्वारा हुए हैं।
- भाग्य भी उसी का चमकता है, जो पुरुषार्थ करता है।
- जहाँ तक सफलता और भाग्य की बात है, उसका ताला श्रम की चाबी से खुलता है।

आचार्य श्री महाप्रज्ञ

शरीर से मनुष्य होना विशेष बात है। किन्तु आचार से, व्यवहार से मनुष्य होना, मानव में मानवता का होना विशेष बात होती है।

जो व्यक्ति आत्म कल्याण का कार्य करता है प्राणीमात्र के प्रति प्रेम, मैत्री और करूणा के भाव रखता है तथा स्वयं कष्ट झेलकर भी दूसरों का हित करता है, उसका जीवन धन्य बन जाता है और उसकी मृत्यु भी धन्य बन जाती है।

आचार्य श्री महाश्रमण

नेतृत्व का गुण सहज हो या अर्जित, उनमें कुछ अधिक अंतर नहीं आता, पर कुछ बातें ऐसी है जो नेतृत्व करने वाले हर व्यक्ति में होना जरूरी है, उनके अभाव में नेता का अनुशासन प्रभावी नहीं होता और उसके निर्णय भी सही नहीं होते। एक नेता में जो गुण सामान्यतया होने चाहिए, उसकी छोटी से सूची यह हो सकती है – (1) अनुशासन की क्षमता (2) विचारों की दृढ़ता (3) दीर्घ और पैनी दृष्टि (4) कठोरता और कोमलता का सामंजस्य (5) परिवर्तन की क्षमता (6) निर्णय लेने की क्षमता (7) निरपेक्ष होकर सोचने का मनोभाव (8) किसी भी स्थिति को झेलने का साहस।

ये कुछ ऐसे बिन्दु है जो सफल नेतृत्व की कसौटी बन सकते हैं। ऐसे और अनेक मानक हैं, जिनके आधार पर किसी शास्ता या नेता के स्वरूप को स्थापित किया जा सकता है।

साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा

अध्यक्षीय

हम हैं अपने भाग्य के निर्माता

प्रिय बहनों,

सादर जय जिनेन्द्र,

जीवन की यात्रा में मार्ग का निर्धारण सबसे पहले करना होता है। जैसे हमें जोधपुर जाना है या जयपुर। ये मार्ग निश्चित करके ही यात्रा प्रारम्भ होती है।

जीवन विकास की यात्रा में मार्ग का चुनाव करना बहुत जरूरी होता है। एक व्यक्ति स्टेशन पर आया और स्टेशन मास्टर से कहा टिकट दो, स्टेशन मास्टर ने पूछा कहाँ जाना है। व्यक्ति ने कहा – मैं अपने ससुराल जाना चाहता हूँ। स्टेशन मास्टर ने कहा कौन सा गाँव? व्यक्ति ने कहा गांव का पता नहीं बस ससुराल जाना है। कैसे टिकट मिलेगी? जब कहाँ जाना है पता ही नहीं है हमारा मंतव्य निश्चित होना चाहिए कि हमें आगे क्या करना है।

हम भाग्य के भरोसे न बैठे। आज का कर्म ही कल का भाग्य बनता है ईश्वर पर भरोसा रखे पर ईश्वर के भरोसे न बैठे। जो लोग हाथ पर हाथ रख कर बैठ जाते हैं वे तन मन को कमजोर करते हैं व सोचते हैं ईश्वर की मर्जी होगी वही होगा। ऐसे विचार अच्छे खासे सेहतमंद व्यक्ति को मानसिक तौर पर विकलांग बना देते हैं। कोई भी चीज असंभव एवं नामुमकिन नहीं है। इन नाकारात्मक विचारों के ऊपर आज ही फुल स्टोप लगाएं, और हम रात को सोने से पहले ये सोचे – मैं कर सकता हूँ, मुझे करना चाहिए, मैं करूंगा। (I Can, I Must, I Will) इस विश्वास के साथ आगे बढ़ेंगे तो कोई भी ऐसा काम नहीं है जो हमारी पहुँच के बाहर है।

करत करत अभ्यास से जड़मति होत सुजान।

रसरि आवत–जावते सिल पर पड़त निशान।

यह दोहा हमने बचपन से न जाने कितनी बार पढ़ा, सुना होगा। अगर हम इसके अर्थ को अपने जीवन में ढाल लें तो निश्चय ही हमारा जीवन सफलता की सीढ़ियां चढ़ता जाएगा। सफलता की प्राणदान सखी है – आत्मविश्वास। फौलादी आत्मविश्वास के जरिए पत्थर पर सुमन, चट्टान से निर्झर और सघन बीहड़ से राजमार्ग निकाला जा सकता है। कमजोर इच्छाशक्ति, नाजुक मनःस्थिति और इरादे मजबूत ना हो तो आत्मविश्वास बल नहीं पकड़ पाता। जिसके नस–नस में लक्ष्यभेद जुनून समाया हुआ रहता है उस व्यक्ति को आगे बढ़ने से कोई नहीं रोक सकता।

संघर्षों की आंधी संकल्पों से विचलित करने की नहीं बल्कि जीवन में लिए गए संकल्पों पर दृढ़ रहने की प्रेरणा देती है। एक कहावत है मन के जीते जीत, मन के हारे हार। अतः हम अपने भाग्य के निर्माता बन सकते हैं बशर्ते हममें आत्मानुशासन, संकल्प शक्ति, जुनून, समयबद्धता, धैर्यता जैसी खूबियां हो।

कालचक्र तो निरन्तर यूं ही चलता रहेगा, उठ जाग मनुष्य तू कब तक सोयेगा
जिनवाणी के पावन सोपानों पर चल कर देख, तेरा भाग्य तुझे मंजिल तक पहुँचायेगा

अभ्यास से मानव, मानवता से आगे बढ़कर देव तुल्य बन जाता है, अभ्यास से ही आत्म पहचान, आत्म निर्णय, आत्म चेतना, आत्म विकास और आत्म सिद्धि प्राप्त होती है। जीवन के सभी क्षेत्रों में अभ्यास, जुनून, श्रम एवं उत्साह से ही शिक्षा, व्यवसाय, लेखन, खेल, श्रम, उद्योग, गृहस्थ जीवन कोई भी क्षेत्र क्यों न हो, धैर्यपूर्वक लगन से ही व्यक्ति अपने कार्यक्षेत्र में सफलता प्राप्त कर सकता है, किसी अंग्रेज विचारक का कहना है 'Everything comes by Practice' तथा Practice makes a man perfect.

धुन के पक्के कठिन को आसान, असंभव को संभव में तब्दील करने का माद्या रखते हैं। जुनून व्यक्ति के भीतर अपूर्व संयम, त्याग और बलिदान का भाव गहराता है। व्यक्ति असीम क्षमताओं का पुन्ज है। पर वे जब तक जागृत नहीं होती जब तक प्रखर छैनी से नहीं झनझनाया जाता। माना कि हीरे पन्ने जवाहरात, सोना आदि कीमती धातुएँ धरती मां की गोद में होती है पर क्या उन्हें बिना श्रम किए पा सकते हैं? यदि बिना श्रम के सुगमता से मिलते तो सभी बटोर लेते।

आचार्य श्री महाश्रमण के शब्दों में स्वप्न साकार नहीं होते, संकल्प साकार होते हैं, फौलादी संकल्प और मजबूत इरादे सफलता का रहस्य है। तुफान हो या समुद्र, संकल्पित व्यक्ति हर बाधाओं को चीरकर नए रास्ते बना लेता है। सफलता मंत्र, तंत्र या यंत्र से नहीं बल्कि संकल्प बल से मिलती है।

भगवान महावीर के जीवन में अनेक कष्ट व संकट आए पर भगवान महावीर अपनी आत्मजयी साधना के पथ पर निरन्तर आगे बढ़ते हुए अपने लक्ष्य को प्राप्त कर लिया।

आचार्य भिक्षु संकल्प के धनी थे। उन्हें अकेला रहना मंजूर था, कष्ट सहना मंजूर था, शरीर छोड़ना भी मंजूर था पर सत्य को छोड़ने का विकल्प मंजूर नहीं था। आचार्य भिक्षु के पोर-पोर में जो लक्ष्य निष्ठा थी, वही उनको महत्ता के शिखर तक पहुँचा सकी। इसी प्रकार हम भी अपने मार्ग का निर्धारण कर इच्छा शक्ति, संकल्प शक्ति और आत्म शक्ति के द्वारा अपने भाग्य का निर्माता बन सकते हैं।

पुष्पा बैद
राष्ट्रीय अध्यक्ष

पर्युषण पर्व

उलझे हुए सिरों को मिलाने आया है क्षमा पर्व
रिश्तो के टूटे पुल को बनाने आया है क्षमा पर्व
जख्मों के हर निशा को मिटाने आया है क्षमा पर्व
गुलशन में मैत्री की बहार लाने आया है क्षमा पर्व

हमारी भारतीय संस्कृति अध्यात्म प्रधान संस्कृति है इसमें अलौकिक आचार, व्यवहार और विचार के समकक्ष ही अध्यात्म को भी महत्व दिया जाता है। लौकिक और आध्यात्मिक दोनों ही क्षेत्रों में अनेक महत्वपूर्ण पर्व आते हैं जिनसे जीवन के प्रवाह में नई ऊर्जा भर जाती है संस्कृति के विराट संगम में पर्वों की ये सरिताएं अभिनव ताजगी और चिंतन की नई धाराएं प्रवाहित कर देती है जैनत्व का प्रतीक पर्वाधिराज पर्युषण पर्व आभ्यंतर शुद्धि और अध्यात्म जागरण का महत्वपूर्ण सोपान है। इसकी अष्ट दिवसीय साधना से लाखों साधक अपनी चेतना को उज्जवल करने का प्रयास करते हैं।

पर्युषण में समता भाव की विशेष आराधना करते हुए हम भी भरपूर लाभ उठाएं अपने भावों की विकास यात्रा में हम स्वयं जप, तप से पूरा योगदान दें तथा अधिकतम शक्ति का संचय करके श्री संपन्न बनें। मुझे विश्वास है जिस प्रकार मेरी बहनें दीपावली पर अपने घर का हर कोना हर कक्ष स्वच्छ और प्रकाशित करती है उसी प्रकार इस पर्व पर भी अपने असली घर यानी आत्मा को भी कर्म रजमल दूर हटाकर स्वच्छ बनाएंगी। स्वाध्याय और अध्ययन के दीप जलाएंगी।

बहनों ! जीवन में समता पूर्वक जी पाना भी बहुत बड़ी कला है समता भाव यानी तटस्थता का अनुभव करना अर्थात ज्ञाता दृष्टा भाव को जी पाना परिस्थिति जन्य विविध द्वन्दों सुख-दुख जन्म मरण लाभ हानि निंदा प्रशंसा आदि में आत्मस्थ भाव के साथ सम रह पाने की क्षमता का नाम है समय की साधना परिवार की पृष्ठभूमि पर भी समता के रंग के सुखद चित्र उकेरे जा सकते हैं विषमता ही पारिवारिक विघटन का मूल कारण बनती है **रहें भीतर जिए बाहर** आचार्य श्री महाप्रज्ञ जी द्वारा निर्देशित इस सूक्ति पर गहराई से अमल करने से जीवन में सकारात्मक बदलाव की आशा की जा सकती है पदार्थ चेतना पर अंकुश लगा पाना हालांकि कुछ कठिन होता है फिर भी क्षमता अनुसार धीरे-धीरे आगे तो बढ़ना है चरैवेति चरैवेति के सूत्र से अवश्य मंजिल मिलती है लालसा, कामना और इच्छाओं का परिष्कार करना बहुत जरूरी होता है हम प्रतिक्रमण में भावना करते हैं।

भोग के साधन विपुल है अतुल मन की लालसा
लालसा की पूर्ति में आरंभ है भूचाल सा
खाद्य-संयम, वस्त्र-संयम, वस्तु का संयम सधे
भोग् या उपभोग का संयम सफलता से बढ़े

बहनों अभी हम सब को पर्युषण महापर्व की त्याग मय आराधना करनी है क्षमा याचना आत्मा को ग्रंथि मुक्त करने का अद्वितीय उपक्रम है साथ साथ रहते, कहते, सुनते, सुनाते कहीं भी कुछ ऐसा हुआ हो जिससे आपके कोमल हृदय को ठेस लगी हो तो मैं आप सभी बहनों से सादर खमत कामना करती हूं आशा है इस मैत्री पर्व पर आपसी भूलों को विसरा कर पवित्र मना हम सब सदैव एक सौहार्द के स्नेह सूत्र में बंधे रहेंगे।

इस बार कल्याण मंदिर स्त्रोत का 41 वें श्लोक से लेकर 44 वें श्लोक तक याद करने का लक्ष्य रखें।
इस बार 22 वें तीर्थंकर श्री अरिष्टनेमि प्रभु की गीतिका याद करने का लक्ष्य रखें।

अभातेममं की सप्तम् बैठक गुलाबी नगर (जयपुर) में आयोजित

दिनांक 14 अगस्त 2021 को अभातेममं की 7वीं कार्यसमिति बैठक व ट्रस्ट मंडल की छठीं बैठक का 'अणुविभा' जयपुर में आयोजन किया गया।

सत्र 2019-21 की प्रथम बैठक के बाद कोरोना महामारी की विषम परिस्थितियाँ पैदा हो गई, जिसकी वजह से Virtual Meetings ही की गई। परम पूज्य गुरुदेव की असीम अनुकंपा से कोरोना के भय को दूर करते हुए 51 बहनें जयपुर में आयोजित इस मीटिंग में सम्मिलित हुई।

ट्रस्ट बोर्ड व कार्यसमिति की बैठक दोनों का प्रारमभ 'शासनश्री' साध्वी यशोमती जी के मंगलपाठ द्वारा हुआ।

इस बैठक में महामंत्री श्रीमती तरूणा बोहरा द्वारा 'गत मिनिट' के वाचन के पश्चात् प्रधान न्यासी श्रीमती शांता पुगलिया ने राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद व महामंत्री श्रीमती तरूणा बोहरा सहित अभातेममं द्वारा संपादित सभी सफल कार्यों व कार्यकाल की परिसम्पन्नता की ओर बढ़ते हुए साधुवाद व बधाई प्रेषित की। इसी क्रम में राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने कर्मक्षेत्र गुलाबी नगरी जयपुर में समागत सभी बहनों का हार्दिक स्वागत एवं अभिनन्दन करते हुए दो वर्ष के कार्यकाल में विभागीय संयोजिकाओं, कार्यसमिति सदस्यों, ट्रस्ट मंडल, संरक्षकगण, परामर्शकगण और सभी अनुदानदाताओं का सर्वात्मना सहयोग के लिए अभार व्यक्त किया।

आचार्य श्री महाश्रमणजी के 60 वें जन्मोत्सव, साध्वी प्रमुखा श्रीजी के चयन दिवस के उपलक्ष में आयोज्य 'अमृत महोत्सव' आदि के संबंध में करणीय कार्यों की रूपरेखा तैयार की गई।

इस मीटिंग में सबसे महत्वपूर्ण कार्य अभातेममं के चुनावी वर्ष होने के कारण 'चुनाव अधिकारी' के रूप में ट्रस्टी श्रीमती सौभाग बैद की नियुक्ति की गई।

अंत में सभी सदस्यों द्वारा किये गये कार्यों के प्रति प्रमोद भावना व्यक्त करते हुए मोमेन्टों द्वारा सम्मान किया गया। महामंत्री श्रीमती तरूणा बोहरा ने सभी का आभार ज्ञापित किया।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा श्राविका गौरव अलंकरण एवं सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार (2019-21) की घोषणा

दिनांक 16 अगस्त 2021 को परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी एवं साध्वी प्रमुखाश्री जी के पावन सान्निध्य में राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने दो श्राविका गौरव बहनों के नाम की घोषाणा की -

श्रीमती सौभाग देवी बैद धर्मपत्नी श्रीमान् पन्नालाल जी बैद - जयपुर

श्रीमती ललिता जी धाड़ीवाल धर्मपत्नी श्रीमान् विजयजी धाड़ीवाल - रायपुर

इसी के साथ सीतादेवी सरावगी प्रतिभा पुरस्कार दो महिलाओं व दो कन्याओं को दिए जायेंगे उनकी भी घोषणा की गई -

श्रीमती राखी बैद धर्मपत्नी श्रीमान् संजय जी बैद - मुंबई

श्रीमती मधु बेताला धर्मपत्नी श्रीमान् अशोक जी बेताला - भागलपुर

सुश्री सोनल पीपाड़ा सुपुत्री श्रीमान् महेन्द्र जी - दीपमाला पीपाड़ा - बैंगलुरु

सुश्री खुशबू घोषल जैन सुपुत्री श्रीमान् निर्मल जी - मंजु घोषल - कोयम्बतूर

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल के निर्देशन में 17 वाँ राष्ट्रीय कन्या मण्डल अधिवेशन EVOLVE

साध्वी प्रमुखा श्रीकनकप्रभा जी का संदेश

कन्याओं की प्रगति महिला समाज की प्रगति है। कन्याएं जितनी शिक्षित और संस्कारी होगी, महिला समाज में उतना निखार आ सकेगा। प्रगति के शिखर पर पहुँचने के लिए लक्ष्य से प्रतिबद्ध रहना जरूरी है। लक्ष्य को साधने के लिए धैर्य, संयम और अनुशासन अपेक्षित है। हार्वर्ड यूनिवरसिटी के प्रोफेसर द्वारा की गई रिसर्च का निष्कर्ष है कि बौद्धिक विकास के आधार पर 20 प्रतिशत सफलता मिलती है जबकि 80 प्रतिशत सफलता का आधार भावनात्मक विकास है। इस दृष्टि से कन्याओं को भावनात्मक विकास के लिए जागरूक रहना है।

कन्याओं में प्रतिभा, योग्यता, हुनर, अनुभव, ज्ञान आदि सब कुछ हो सकता है, पर जब तक इनका सही स्थान पर नियोजन न हो, तब तक गुणवत्ता का समुचित उपयोग नहीं हो सकता।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल कन्याओं की प्रगति के प्रति जागरूक है। कन्याओं के वार्षिक अधिवेशन पर कन्याओं की सांस्कृतिक प्रगति पर ध्यान केन्द्रित करना जरूरी है। कन्याओं के आध्यात्मिक विकास के प्रति मंगल कामना।

30 जुलाई 2021, भीलवाड़ा

साध्वी प्रमुखा कनकप्रभा

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल के निर्देशन में 17वां राष्ट्रीय कन्या मण्डल अधिवेशन EVOLVE का दिनांक 16 अगस्त 2021 को प्रात: 10:30 बजे भीलवाड़ा में एकादशमाधिशास्ता आचार्य श्री महाश्रमण जी के सान्निध्य में भव्य आग़ाज़ हुआ। महातपस्वी परमाराध्य आचार्य श्री महाश्रमण जी ने कन्याओं को प्रेरणा पाथेय प्रदान करते हुए फरमाया कि कन्याओं में लौकिक शिक्षा के साथ बौद्धिक व आध्यात्मिक शिक्षा का भी विकास हो, कन्याओं में अच्छे संस्कारों का, सहिष्णुता का निर्भिकता का विकास हो, कन्याएँ कुशल प्रवक्ता बनें, उपासिका बनें, ऐसा प्रयास करना है। अधिवेशन के मंगल पलों में असाधारण साध्वी प्रमुखाश्री जी नेअपने मंगल उद्बोधन में कहा कि कन्याएँ हर क्षेत्र में उत्तरोत्तर विकास कर रही है, भविष्य में भी कन्याएँ परिष्कृत व स्थायी विकास करें, यह अपेक्षित है। हमारी कन्याएँ तत्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन में ज्ञान विज्ञान के क्षेत्र में आध्यात्मिक क्षेत्र में निरन्तर विकास करें।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैद ने कहा कि कन्याएँ आज पूज्य प्रवर से आध्यात्मिक ऊर्जा प्राप्त करने श्री चरणों में उपस्थित हुई है, आप ऐसा अमृत रस बरसाएं कि हमारी कन्याएँ गति प्रगति के नाम पर बहकें नहीं, बल्कि सभ्यता, शालीनता व परम्पराओं का कवच पहन कर अपना विकास करें।

2 वर्षों का प्रगति प्रतिवेदन-कन्याओं के कर्तृत्व का विस्तृत विवेचन, सम्पूर्ण आंकड़ों के साथ कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती रमण पटावरी ने एक Presentation के साथ श्री चरणों में प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का सफल व सुन्दर संचालन महामंत्री श्रीमती तरूणा बोहरा ने किया।

अधिवेशन के शेष दो दिनों का आयोजन 16 अगस्त सायं से 18 अगस्त 2021 तक जयपुर में किया गया।

16 अगस्त सांय

कन्याएँ - विकास की उजली दिशाएँ

अभातेममं प्रधान ट्रस्टी श्रीमती शान्ता पुगलिया ने कन्याओं को प्रेरित करते हुए कहा कि कन्याएँ संस्था का गौरव व

परिवार की रौनक है। कन्याएँ अपनी संस्कृति सभ्यता को विस्मृत न होने दें। गुरु के आर्शीवचनों को शिरोधार्य कर विकास की दिशा में कदम बढ़ाएँ।

राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने विशेष प्रशिक्षण देते हुए कहा कि – अधिवेशन की पूर्व संध्या है –

Preperation for Ahiveshan
कन्याओं को Evolve करना है अर्थात्

E-Evaluation - स्वयं का

V-Vigilance - जागरूकता के साथ बढ़ना

O-Obey - लक्ष्य को हासिल करने की प्रतिबद्धता

L-Lead - करना अपने लक्ष्य की ओर

V-Vigour - उत्साह कायम रखना

E-Educate - दूसरों को प्रेरित करना

तभी हम Better से Best, Ordinary से Extra Ordinary बन पाएंगे। सभी आगन्तुक कन्याओं का तहे दिल से स्वागत किया श्रीमती रमण पटावरी, कन्या मंडल प्रभारी ने। रा.का.स. श्रीमती अर्चना भण्डारी ने सभी शाखा मंडलों का परिचय प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन किया पाली कन्या मंडल से सुश्री अंतिमा वडेरा ने।

17 अगस्त प्रातः Social व Spiritual Evolution

श्रद्धा व समर्पण का सेतु –बनें विकास का हेतु –

गुरुदेव द्वारा प्रदत्त संदेश का वाचन किया राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा ने व साध्वी प्रमुखा श्रीजी के संदेश का वाचन किया रा.का.स. श्रीमती विमला दुगड़ ने। इस सत्र के मुख्य वक्ता अभातेमम की ट्रस्टी श्रीमती कनक बरमेचा ने कन्याओं को दिशा–निर्देश प्रदान करते हुए कहा कि – हमें अपनी श्रद्धा को पराकाष्ठा तक पहुँचाना होगा। श्रद्धा के साथ समर्पण जुड़ जाने से श्रद्धा अपने आप में परिपूर्ण हो जाती है और विकास की राहें उद्घाटित होती है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने कन्याओं का स्वागत करते हुए कहा कि हमारी नजर श्रद्धा से परिपूर्ण होनी चाहिए तभी हमारा नजरिया सम्यग होगा। हमें हर कर्तव्य को श्रद्धा व समर्पण से पूर्ण करना है तभी हम हर दिशा में Evolve कर पाएंगे। साध्वी श्री रचना श्रीजी ने भी कन्याओं को पाथेय प्रदान किया। कार्यक्रम का कुशल संचालन राष्ट्रीय कन्या मंडल संयोजिका श्रीमती प्रज्ञा नौलखा बांठिया ने किया।

17 अगस्त अपरान्ह – Inspirational Evolution

बुलंद इरादे – निश्चित कामयाबी

महामंत्री श्रीमती तरूणा बोहरा के दो मिनट के डोज ने कन्याओं में नव उत्साह का सृजन किया। उन्होंने कहा कि हमें We Can के सूत्र को सर्वोपरि मानते हुए Evolve करना है। इस सत्र के विशेष आकर्षण रहे – Fragrance of Success - Lt. Khushboo Ghoshal Jain के साथ मोटिवेशनल वार्तालाप व Speaker मानसी ठक्कर का विशेष प्रशिक्षण।

कार्यक्रम का कुशल संचालन किया राष्ट्रीय कन्या मंउल संयोजिका सुश्री याशिका खटेड़ ने।

17 अगस्त सायं – Artistic Avolution - Art : A Colourful Pattern of Life

25 बोल पर आधारित एक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। Smart Model Competition के तहत कन्याओं ने Evolve Revolve Around प्रतियोगिता में भाग लिया। प्रतियोगिता के निर्णायत रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद व महामंत्री श्रीमती तरूणा बोहरा। इस अवसर पर सभी शाखा मंडलों को प्रशस्ति पत्र दिए गए। कार्यक्रम का सुन्दर संचालन नोएड़ा से अनुष्का तातेड़ ने व इन्दौर से निधि दुगड़ ने किया।

18 अगस्त – अधिवेशन का समापन सत्र – कर्तृत्व की धार – व्यक्तित्व बनें असरदार

अभातेमम के ट्रस्टी श्रीमती सौभाग बैद ने ने कन्याओं को शुभकामनाएं प्रेषित करते हुए कहा कि हमारी कन्याओं का कर्तृत्व आसमान को छू रहा है, इसके साथ–साथ हमारी जीवन शैली, सद्संस्कारों से ओतःप्रोत हो, संस्कृति के अनुरुप

नैसर्गिक गुणों को अपनाते हुए आगे बढ़ना है। विकास के नए पायदानों पर परचम फहराना है। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैद ने आगन्तुक सभी अतिथियों का स्वागत किया व Powerful Presentation के द्वारा कन्याओं को बताया कि किस प्रकार आलस्य को दूर कर हम समय प्रबंधन के द्वारा घर व बाहर के काम के बीच संतुलन बना सकते हैं। कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती रमण पटावरी ने दो वर्षों के प्रगति प्रतिवेदन का वाचन किया। महामंत्री श्रीमती तरूणा बोहरा ने एक उदाहरण द्वारा समझाया कि अवसर आने पर किस प्रकार हमें जीवन में सहजता व सहिष्णुता के साथ चुनौतियों का सामना करना चाहिए। Speaker श्रीमती नमिता दुगड़ ने कन्याओं को विभिन्न प्रवृतियों के द्वारा Time Management Communication Skills की ट्रेनिंग दी।

जैन विश्व भारती के उपाध्यक्ष श्री दौलतजी डागा, जै.वि.भा. के रा.का.स. श्री नरपत जी बैद, जयपुर सभा के अध्यक्ष श्री नरेश जी मेहता व मंत्री युवा रत्न श्री पन्नालाल जी पुगलिया, अणुविभा अध्यक्ष श्री पन्नालाल जी बैद सहित अनेक वक्ताओं ने कन्याओं के उज्जवल भविष्य के प्रति मंगलकामनाएं प्रेषित करते हुए अपने विचार व्यक्त किया।

सह कन्या मंडल प्रभारी श्रीमती नमिता सिंघी ने आभार ज्ञापित किया। कन्या मंडल संयोजिका सुश्री याशिका खटेड़ व श्रीमती प्रज्ञा बांठिया नौलखा ने भी विशेष प्रस्तुति के द्वारा अपने भावाभिव्यक्ति की। तकनीकी कार्य संचालन में सह प्रचार प्रसार मंत्री श्रीमती सोनम बागरेचा का विशेष सहयोग रहा। कार्यक्रम का कुशल संचालन हैदराबाद से पायल सुराणा व चैन्नई से भवी बाफना ने किया। विभिन्न कन्या मंडलों द्वारा विशेष प्रस्तुतियां दी गई। रा.का.स. श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा, श्रीमती गुलाब बोथरा, श्रीमती मधु श्यामसुखा, श्रीमती संतोष बोथरा, श्रीमती जयश्री जोगड़, श्रीमती सुशीला चौपड़ा ने अपने विचार प्रस्तुत किए।

त्री दिवसीय अधिवेशन के प्रायोजक – राष्ट्रीय ट्रस्टी श्रीमती सौभाग बैद – शासन सेवी श्री पन्नालाल जी बैद, रा. उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता डागा – श्री दौलत जी डागा। आपके विशेष अनुदान हेतु अनंत साधुवाद।

Evolve गीत

लयः दिल है छोटा-सा

Evolve - Evolution
Progress to achievement
आओ पांखों से भर लें उड़ानें
जिंदगी मिली है कुछ कर दिखाने
मैत्री शिखर हो पताका हमारी
देगी सलामी दुनिया ये सारी।।

1. गुरु भक्ति में ऐसे रमें हम
कुछ भी हो चाहे, श्रद्धा न हो कम
अच्छे गुणों से धार्मिक बनें हम
गम के पलों में हंसते रहें हम
बढ़ते कदमों से करें नाम रोशन

2. हमसे है आशा पूरी करेंगे
संस्कारों से हम ऐसे सजेंगे
सबके दिलों में राज करेंगे
खुद की बुराई से हम लड़ेंगे

Productive हो Evolution
Progressive हो Evolution
Evolution Evolution
Positive हो Evolution
Effective हो Evolution
Evolution Evolution

रचियता : साध्वी श्री वीरप्रभा जी
गायिका : सुश्री सोनल पीपाड़ा

तेरापंथ / तत्वज्ञान की परीक्षाएं सम्पन्न

उत्तराध्ययन सूत्र - नाणेण जाणई भावे अर्थात् ज्ञान के द्वारा आदमी पदार्थों को जानता है और जानने से ही व्यक्ति को हेय, ज्ञेय, उपादेय का भान होता है। ज्ञान प्राप्त करने का एक प्रमुख माध्यम है स्वाध्याय।

तत्वज्ञान और तेरापंथ दर्शन का अध्ययन पठन, पाठन और कंठस्थ यह सभी स्वाध्याय की ही विधाएं है जो आचार्य तुलसी शिक्षा परियोजना के अन्तर्गत संचालित तत्त्वज्ञान/ तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम में समाहित है।

दिनांक 12 व 13 अगस्त 2021 को परम श्रद्धेय आचार्य श्री महाश्रमण जी की विदुषी शिष्या शासनश्री साध्वी श्री यशोमती जी के मंगलपाठ से 'अणुविभा' जयपुर में अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा तत्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया गया जिसमें तत्वज्ञान के छठें वर्ष व तेरापंथ दर्शन के पांचवे वर्ष की मौखिक व लिखित परीक्षा सम्पन्न हुई। वर्ष 2019 व 2020 के पांच भाई एक कन्या व कुल 101 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। तेरापंथ दर्शन के 12 व तत्वज्ञान के 89 परीक्षार्थी थे।

परीक्षा का शुभारंभ शासन श्री साध्वी यशोमती जी के द्वारा मंगलपाठ से हुआ। सुबह 9 बजे परीक्षा प्रारम्भ हुई। इस योजना की निर्देशिका श्रीमती पुष्पा जी बैंगानी व संयोजिका श्रीमती मंजु भूतोड़िया के निर्देशन में ये परीक्षा संपादित हुई।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैद, ट्रस्टी श्रीमती कनक जी बरमेचा, परामर्शक श्रीमती लता जी जैन, इस योजना की निदेशिका श्रीमती पुष्पा जी बैंगानी, राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती मंजु भूतोड़िया व दिल्ली से श्रीमती कुसुम जी बैंगानी ने परीक्षक की भूमिका निभाई।

रात्रि 8 बजे पुरस्कार वितरण समारोह रखा गया। वर्ष 2019 के तत्वज्ञान के छठें वर्ष व तेरापंथ दर्शन के पांचों वर्ष के तथा 2020 के तत्वज्ञान के प्रथम वर्ष से पांचवे वर्ष व तेरापंथ दर्शन के प्रथम वर्ष से चतुर्थ वर्ष तक के अव्वल आने वाले परीक्षार्थियों का मोमेन्टों द्वारा सम्मान किया गया। इस योजना में सहयोगी बहनों को भी मोमेन्टों के द्वारा सम्मानित किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने सभी तत्वज्ञान तेरापंथ प्रचेता बहनों को शुभकामनाएं, बधाई दी तथा निर्देशिका श्रीमती पुष्पा जी बैंगानी, राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती मंजू जी भूतोड़िया को सफल व ज्ञानवर्धक कार्य की सुंदर संयोजना के लिए धन्यवाद, आभार ज्ञापित किया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष ने इस योजना की निर्देाक श्रीमती पुष्पा जी बैंगानी, राष्ट्रीय संयोजिका श्रीमती मंजु भूतोड़िया का मोमेन्टों के द्वारा सम्मान किया गया। कार्यक्रम का मंगलाचरण सुमधुर स्वरों में जयपुर सी-स्कीम की बहिनों द्वारा किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैद ने सभी का स्वागत किया। राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा जी बैद ने कहा कि पढ़ने के लिए कोई उम्र नहीं होती किसी भी उम्र में ज्ञानार्जन किया जा सकता है।

ट्रस्टी श्रीमती कनक जी बरमेचा ने कहा - जो तत्वप्रचेता बन चुके है वे जैन स्कॉलर योजना से जुड़ सकते हैं कई बहनों ने जैन स्कॉलर योजना से जुड़ने का मानस भी बनाया। महामंत्री श्रीमती तरूणा जी बोहरा ने छोटे-छोटे टिपस के द्वारा परीक्षार्थियों को आगे बढ़ने के बारे में बताया। इस योजना की निर्देशक श्रीमती पुष्पा जी बैंगानी ने तत्वप्रचेता बन चुके परीक्षार्थियों को जैन स्कॉलर योजना या तत्वविज्ञ से जुड़ने की प्रेरणा दी व तत्वविज्ञ कोर्स के बारे में जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तत्वविज्ञ की परीक्षा 26 व 29 अगस्त 2021 को चारित्रात्माओं की परीक्षा के साथ ही है। कार्यक्रम का कुशल संचालन संयोजिका श्रीमती मंजु भूतोड़िया ने किया।

13 अगस्त को सुबह 8.30 बजे से 9.30 बजे शासनश्री साध्वी यशोमती जी के द्वारा मंगलपाठ से लिखित परीक्षा सम्पन्न हुई।

वर्ष 2020 में कोरोना महामारी की वजह से मौखिक परीक्षा नहीं हो सकी थी पर परम पूज्य गुरुदेव के आशीर्वाद से व राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैद की सूझबूझ से उन्होंने अपने शहर गुलाबी नगरी में बहुत सुंदर आतिथ्य किया व सुचारू रूप से परीक्षा संचालित हुई। ट्रस्टी श्रीमती सौभागजी बैद, उपाध्यक्ष श्रीमती सरिता जी डागा, महामंत्री श्रीमती तरूणा जी बोहरा, रा.का.स. श्रीमती विमला जी दुगड़, श्रीमती विजयलक्ष्मी भूरा, श्रीमती मधु जी श्यामसुखा, श्रीमती सुशीला जी चौपड़ा, श्रीमती गुलाब जी बोथरा ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई व परीक्षा सम्बन्धी सभी व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संभाला। जयपुर सी स्कीम व जयपुर शहर की सक्रिय भागीदारी एवं श्रम से यह परीक्षा सफल रही सभी के प्रति हार्दिक कृतज्ञता, कार्यक्रम में लाडनूं से आये श्री सुनील व चैनू का भी बहुत-बहुत आभार।

सम्माननीय तत्वज्ञ श्राविका श्रीमती रतनी देवी, श्रीमान् सुमतिचंदजी - सुमनजी, योगन्द्र - नीलम जी गोठी परिवार जिनके विशेष सहयोग से तत्वज्ञान/तेरापंथ दर्शन पाठ्यक्रम का सुचारू रूप से संचालन हो रहा है। अखिल भारतीय तेरापंथी महिला मंडल की ओर से हार्दिक आभार।

तृप्ति ..... एक बूंद

तृप्ति -एक बूंद

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की समृद्ध राष्ट्र योजना के अंतर्गत तृप्ति एक बूंद प्रोजेक्ट के तहत तेरापंथ महिला मंडल राजसमंद द्वारा भिक्षु निलयम में 26 जून को 40 लिटर का एक वाटर कूलिंग मशीन का उदघाटन किया गया। मंडल अध्यक्ष ललिता चपलोत ने बताया की जागृति महाअभियान द्वारा जल है अनमोल सोना, इसे यूं व्यर्थ न खोना प्रोजेक्ट के अंतर्गत सभी को संकल्प पत्र भरवायें तथा पोस्टर लगाकर व पानी के महत्व को समझा कर प्रचार प्रसार किया गया। इस अवसर पर भिक्षुबोधि स्थल के अध्यक्ष श्री ख्यालीलालजी चपलोत, कार्यवाहक अध्यक्ष हर्षलालजी नवलखा ने उदघाटन किया। पूर्व राष्ट्रीय सदस्या मंजुजी बड़ोला, मंडल अध्यक्ष ललिता चपलोत, उपाध्यक्ष वनिता बाफना, मंत्री राजुला मादरेचा, उपमंत्री सीमा चपलोत, कन्या मंडल प्रभारी सीमा बड़ोला एवं तेयुप अध्यक्ष मनीष चपलोत उपस्थित थे। कोरोना प्रोटोकॉल को ध्यान में रखते हुए कार्यक्रम को किया गया।

कला अभ्युदय योजना का शुभारंभ

हे प्रभो ! यह तेरापंथ

कोविड के कारण हमारे समाज के अनेक परिवार आर्थिक समस्याओं का सामना कर रहे हैं। 'कला अभ्युदय योजना' के अंतर्गत हम बहनों को ऐसे उपकरण प्रदान करना चाहते हैं जैसे- मसाला पीसने की मशीन, दाल बनाने व आटा पीसने की मशीन, इडली का घोल बनाने की मशीन, जो उन्हें स्वावलंबी बनाकर उन्हें आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर सके।

आपके क्षेत्र में अगर कोई भी ऐसी तेरापंथी बहन हो तो आप उसकी पूर्ण जानकारी हमें प्रेषित करें। (नाम, पता, टेलीफोन नंबर, आधार नंबर, पैन नंबर, शैक्षणिक योग्यता, उनकी फोटो, परिवार में कुल सदस्य, कमाने वाले सदस्य, परिवार की कुल आय)। प्राप्त आवेदनों में से कुछ चयनित बहनों को यह सहायता प्रदान की जाएगी। इन चारों मशीनों में से आप किसी एक मशीन के लिए आवेदन कर सकते हैं। हम नीचे एक फॉर्म दे रहे हैं जिसको आप भर कर श्रीमती विमला दुगड़, जयपुर को भेज सकते हैं। मोबाइल नंबर 9314517737

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मण्डल

द्वारा

श्रद्धेया साध्वी प्रमुखाश्री कनकप्रभाजी के 50वें मनोनयन वर्ष के उपलक्ष्य में

कला अभ्युदय योजना

नाम : .....

पति का नाम : .....

पता : .....

..... मो. नं. : .....

आधार नं. : ..... पेन नं. : .....

शैक्षणिक योग्यता : .....

परिवार में कुल सदस्यों की संख्या : .....

कमाने वाले सदस्यों की संख्या : .....

परिवार की वार्षिक आय : .....

आवेदनकर्त्ता के हस्ताक्षर

अध्यक्ष, श्री जैन श्वेताम्बर तेरापंथ महिला मण्डल .....

हस्ताक्षर

आयोजक : तेरापंथ समाज

राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री की अध्यक्षता में शपथ ग्रहण समारोह

सेलम

दिनांक 13.7.2021 तेरापंथ महिला मंडल सेलम द्वारा तेरापंथ भवन के प्रांगण में अभिनंदन कार्यक्रम तथा नव निर्वाचित टीम का शपथ ग्रहण समारोह आयोजित

माला, टीका एवं मंगल गीत के द्वारा अभातेममं अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैद, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती नीलम जी सेठिया एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्या श्रीमती कनक बैद का भव्य स्वागत किया गया। मंगलाचरण की मधुर धव्नि से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। आगंतुको का स्वागत अध्यक्ष श्रीमती सरिता दूगड़ ने बुके और आभार पत्र द्वारा सम्मान किया। श्रीमती सपना बाफना ने अपनी मधुर वाणी से गीतिका द्वारा राष्ट्रीय सदस्यों का स्वागत किया। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष श्रीमती नीलम सेठिया ने अपने वक्तव्य में राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य का अभिवादन व स्वागत किया एवं राष्ट्रीय मंच से जुड़े अनुभवों से मंडल को अवगत कराया।

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी ने बैद ने सफल कार्यकाल के लिए पूर्व अध्यक्ष को बधाई दी एवं नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती सुनीता जी बोहरा की टीम को शपथ दिलाई एवं अग्रिम कार्यकाल के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। रा. का. सदस्य कनक जी बैद ने सेलम मंडल की प्रशंसा की एवं प्रगति पथ पर शुभकामनाएं प्रेषित की । नवनिर्वाचित अध्यक्ष ने शपथ ग्रहण के साथ अपनी टीम की घोषणा की एवं अध्यक्षीय भाषण में गुरु इंगित एवं केंद्र निर्देशित कार्यों को संपादित करने में यथा समय सहभागिता एवं सहयोग की मंडल से अपेक्षा की। रा. अध्यक्ष एवं रा. उपाध्यक्ष का सम्मान नवनिर्वाचित अध्यक्ष द्वारा किया गया।

सभा अध्यक्ष श्रीमान सोहन लाल जी बाफना एवं तेयूप अध्यक्ष श्रीमान भरत डूंगरवाल ने भी महिला मंडल को शुभकामनाएं प्रेषित की। कार्यक्रम का कुशल संचालन कोषाध्यक्ष श्रीमती शालिनी लुंकड़ द्वारा किया गया। धन्यवाद ज्ञापन मंत्री श्रीमती सरिता चोपड़ा द्वारा किया गया ।

जयपुर शहर

तेरापंथ महिला मंडल जयपुर शहर का शपथ ग्रहण समारोह साध्वी श्री यशोमती जी के सान्निध्य में 20 जुलाई 2021 मंगलवार दोपहर 2 बजे अणुविभा केन्द्र में आयोजित किया गया। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने नव मनोनीत अध्यक्ष श्रीमती निर्मला जी सुराणा, मंत्री श्रीमान पायल बैद व कार्यकारिणी को पद व गोपनीयता की शपथ दिलाई। अखिल भारतीय की अध्यक्ष ने जयपुर शहर महिला मंडल के कार्यों की प्रशंसा की वे निरन्तर कई सालों से प्रथम स्थान पर आता रहा है। आगामी अध्यक्ष मंत्री का कार्यकाल भी सफलतम रहे, व नया कीर्तिमान स्थापित करें। सभी कार्यकारिणी सदस्य आध्यात्मिक व सामाजिक सभी कार्यों को सहयोग की भावना से करते रहे आपसी सौहार्द बनाए रखे ऐसी मंगल कामना की। अखिल भारतीय महिला मंडल की ट्रस्टी श्रीमती सौभाग जी बैद कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती बिमला जी दुगड़, श्रीमती गुलाब जी बोथरा, श्रीमती मधु जी श्यामसुखा महिला मंडल की संरक्षिकाएं, परामर्शिकाएं व पूर्व अध्यक्ष उपस्थित रही साध्वी श्री ने आशीर्वचन के साथ मांगलिक सुनायी।

जयपुर सी-स्कीम

सानिध्य -'शासनश्री' साध्वी श्री सत्यवती जी

सादर उपस्थिति - राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा जी बैद, राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सरिता जी डागा एवं अखिल भारतीय

कार्यकारिणी सदस्य सुशीला जी चोपड़ा।

जयपुर सी स्कीम महिला मंडल द्वारा आज दिनांक 24 जुलाई, शनिवार को तेरापंथ स्थापना दिवस पर शपथ ग्रहण एवं सम्मान समारोह का आयोजन 'शासनश्री' साध्वी श्री सत्यवती जी के सानिध्य में भिक्षु साधना केंद्र में आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम तीन चरणों में किया गया। सर्वप्रथम तेरापंथ स्थापना दिवस पर श्रीमती निकिता दूगड़ द्वारा मंगलाचरण से इस कार्यक्रम की शुरुआत हुई।

साध्वी श्री संबोधयशा जी, शशि प्रज्ञा जी एवं पुण्यदर्शना जी ने मंगल उद्बोधन प्रदान किया। 'शासनश्री' साध्वी सत्यवती जी ने आचार्य भिक्षु के जीवन पर प्रकाश डालते हुए मंगल उद्‌बोधन से सभी को लाभान्वित किया तथा नई कार्यकारिणी को स्वर्णिम भविष्य की शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम के दूसरे से चरण में शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। नव युवतियों द्वारा प्रेरणा गीत का संगान किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा जी बैद ने सर्वप्रथम नवनिर्वाचित अध्यक्ष नीरू जी पुगलिया को शपथ दिलवाई ।

नवनिर्वाचित अध्यक्ष नीरू जी पुगलिया ने अपनी कार्यकरणी की घोषणा की एवं राष्ट्रीय अध्यक्षा पुष्पा जी बैद ने नवगठित कार्यकारिणी को शपथ दिलाई। राष्ट्रीय अध्यक्ष पुष्पा जी बैद ने पूर्व कार्यकारिणी को सफल कार्यकाल के लिए बधाई दी एवं नई कार्यकारिणी को शुभकामनाएं दी ।

कार्यक्रम के तीसरे चरण में पूर्व कार्यकारिणी के सभी सदस्यों का सम्मान किया गया। मंडल के द्वारा पूर्व अध्यक्ष मंत्री का सम्मान किया गया।

लाडनूं

तेरापंथ महिला मंडल लाडनूं के भवन में नवनिर्वाचित अध्यक्ष श्रीमती प्रीति जैन ''घोषल'' शपथ ग्रहण समारोह आयोजित हुआ। इस शुभ अवसर पर राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद, कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती विमला दुगड़ के सान्निध्य एवं परामर्शक श्रीमती शोभा दुगड़ एवं निर्वतमान अध्यक्ष श्रीमती तारा जी बोथरा की उपस्थिति में श्रीमती प्रीति जैन ने अपनी टीम के साथ शपथ ग्रहण की।

इस अवसर पर डॉ. मानक कोठारी, डॉ. सुशीला बाफना, सुश्री कमला कठोतिया द्वारा आशीर्वचन प्रदान करते हुए सफल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी एवं सहयोग का आश्वासन दिया। संयोजन श्रीमती रेणु कोचर एवं आभार ज्ञापन नवमंत्री नीता नाहर ने किया।

ठाणे

महातपस्वी आचार्य श्री महाश्रमण जी की सुशिष्या शासन श्री साध्वी श्री कैलाशवती जी एवं साध्वी वृंद के सानिध्य में तेरापंथ भवन मजीवाड़ा ठाणे में भिक्षु बोधि दिवस तथा नवगठित तेरापंथ महिला मंडल ठाणे सिटी का शपथ ग्रहण समारोह नया दौर नया चिंतन बैनर के तले आयोजित किया।

शासन श्री साध्वी श्री कैलाशवतीजी ने फरमाया कि ठाणे सिटी महिला मंडल का नव गठन हुआ है ,मुझे प्रसन्नता है कि घूंघट में रहने वाली नारी अपने अधिकारों को पहचान रही है, पूर्ण समर्पण भाव से समाज में अपना योगदान दे रही है। साध्वी श्री पंकजश्रीजी ने फरमाया ठाणे सिटी महिला मंडल सीधे केंद्र से जुड़ रहा है, मुझे विश्वास है कि सहनशीलता, विनम्रता के साथ मर्यादा, व्यवस्था और सेवा के नियमों का पूर्ण तरह से पालन करते हुए स्वयं का वह मंडल का आध्यात्मिक विकास होता रहेगा यही मेरी शुभ मंगल कामना है।

साध्वी श्री के उद्बोधन के पश्चात अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की महामंत्री श्रीमती तरुणाजी बोहरा ने नवगठित महिला मंडल की प्रथम अध्यक्ष श्रीमती अनीता जी धारीवाल और उनकी कार्यकारिणी टीम को विधिवत शपथ ग्रहण करवाई।

तरुणा जी ने सर्वप्रथम भिक्षु जन्म दिवस के उपलक्ष में आचार्य भिक्षु का गुणानुवाद करते हुए तेरापंथ आचार्य परंपरा को नमन किया। तत्पश्चात उन्होंने कहा कि नवगठित ठाणे सिटी महिला मंडल नया दौर, नया चिंतन,नये सपनों को लिए नया इतिहास रचने जा रही है। केसरिया परिधान में सजी बहनों को संबोधित करते हुए कहा कि यह केसरिया परिधान धारण करते ही दृढ़ संकल्प, समर्पण, श्रद्धा हमारी रग-रग में आ जाता है।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल की महाराष्ट्र प्रभारी श्रीमती निर्मलाजी चंडालिया, श्रीमती कांता जी डूंगरवाल ने भी शुभकामनाएं प्रेषित की। अध्यक्ष अनीताजी धारीवाल ने विनम्रता, स्नेह, सौहार्द और प्रमोद भाव से व्यवहार करने और सभी संघीय संस्थाओं के आपसी सामंजस्य की बात कही। आभार ठाणे सिटी महिला मंडल की मंत्री जयंती जी भंसाली ने प्रेषित किया। कुशल संचालन श्रीमती वीणाजी सेठिया ने किया।

आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेंटर का उद्घाटन

भीलवाड़ा

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के तत्वावधान में तेरापंथ महिला मंडल द्वारा आचार्य महाश्रमण चातुर्मास प्रवास स्थल, तेरापंथ नगर में महाश्रमण आरोग्यम चिकिल्सालय में मानव सेवा को समर्पित आचार्य महाश्रमण फिजियोथैरेपी सेंटर का शुभारंभ किया गया। अभातेममं अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा बैद ने कहा कि भीलवाड़ा महिला मंडल द्वारा यह दूसरा फिजियोथैरेपी सेंटर खोला गया है। मानव सेवा के इस उपक्रम से सभी लोग लाभान्वित हो ऐसी शुभ मंगलकामनाएं आपने व्यक्त की। अध्यक्ष मीना बाबेल ने राष्ट्रीय टीम के नेतृत्व में इस उपक्रम का शुभारंभ सहज शुभ संयोग बताया और आचार्य श्री महाश्रमण के चातुर्मास में ये सेंटर सुव्यवस्थित रूप से संचालित होते हुए सबके लिए उपयोगी बने। मंत्रोच्चार द्वारा इस उपक्रम का शुभारंभ किया गया। फिजियोथैरेपी मशीन में आशा संचेती, यशवंत सुतरिया, प्रमिला गोखरू, सरोज श्यामसुखा व मेडिकल टीम के संयोजक गौतम दुगड़ का भी सहयोग रहा। अभातेममं महामंत्री तरूणा बोहरा, ट्रस्टी सूरज बरड़िया, पूर्व अध्यक्ष कल्पना बैद, सहमंत्री नीतू ओस्तवाल, अभातेममं कार्यकारिणी सदस्य लता जैन, महिला मंडल मंत्री रेणु चोरड़िया, आचार्य महाश्रमण चातुर्मास प्रवास व्यवस्था समिति अध्यक्ष प्रकाश सुतरिया, स्वागताध्यक्ष, महामंत्री, तेरापंथ सभा, तेयुप, टीपीएफ, अणुव्रत समिति आदि अनेक संस्थाओं के पदाधिकारियों की उपस्थिति रही।

गदग

शासन श्री साध्वी श्री पद्मावती जी के सानिध्य में अखिल भारतीय महिला मंडल के तत्वाधान में दिनांक 25 2021 को मध्यान्ह 3:50 बजे शीरोल में तेरापंथ महिला मंडल गदग द्वारा फिजियोथेरेपी सेंटर का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजित हुआ साध्वी श्री गवेषणा जी ने कहा सपने कभी पूरे नहीं होते और संकल्प संकल्प कभी अधूरे नहीं रहते तेरापंथ महिला मंडल नारी शक्ति का एक उदाहरण है इन्होंने संकल्प लिया था और आज वह सपना साकार किया ।साध्वीश्री मयंकप्रभाजी एवं साध्वीश्री मेरुप्रभाजी की सनिधि में अखिल भारतीय

तेरापंथ महिला मंडल के राष्ट्रीय महामंत्री ने कहा फिजियोथैरेपी सेंटर का उद्घाटन करना कोई सरल काम नहीं था पर डॉक्टर जगदीश जी शीरोल ने अपने हॉस्पिटल में स्थान देकर बहुत उदारता का परिचय दिया छोटे से क्षेत्र में भी यहां के स्थानीय तेरापंथ महिला मंडल ने दूरस्तर कार्य किया है पूरे उत्तर कर्नाटक एवं गदग में पहला फिजियोथेरेपी सेंटर तेरापंथ महिला मंडल द्वारा खुलने जा रहा है भविष्य में इनके विकास के प्रति मंगल कामना

डॉ श्वेता शीरोल ने कहा गदग तेरापंथ महिला मंडल ने जनता की सेवा करने में बहुत बड़ा सहयोग दिया है डॉक्टर जगदीशजी शीरोल ने कहा मैं प्रामाणिकता के साथ समाज सेवा का लक्ष्य रखूंगा और महिला मंडल को धन्यवाद प्रेषित किया कर्नाटक राज्य वाइन बोर्ड के अध्यक्ष श्री कांतिलाल जी भंसाली ने अपने विचार व्यक्त किए सभा के अध्यक्ष अमृतलाल जी कोठारी, अंकित कोठारी, फिजियोथेरेपी सेंटर के प्रभारी उपासिका श्रीमती विमला देवी कोठारी महिला मंडल के मंत्री श्रीमती विजेता भंसाली ने सबका आभार ज्ञापन किया फिजियो थेरेपी सेंटर का हाल का उद्घाटन एवं शिलालेख का अनावरण अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के महामंत्री तरुण जी बोहरा , निर्मला जी चंडालिया व प्रायोजक परिवार ने जैन संस्कार विधि से उद्घाटन किया कन्या सुरक्षा सर्कल का भी अवलोकन किया गया! एल आई सी एजेंट श्री प्रकाश जी अंगडी का इस कार्य में पूरा सहयोग रहा कुशल संचालन श्रीमान सुरेश जी कोठारी ने किया

प्रिय बहनों,

ज्ञान प्राप्ति का सशक्त माध्यम है – स्वाध्याय। ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी के माध्यम से हम सभी ने सम्यक् ज्ञान प्राप्त करने का सार्थक प्रयास किया। वर्ष 2019 नवम्बर से शुरु हुआ यह सफर अनवरत चलता रहा। ज्ञान चेतना वर्ष के उपलक्ष में आचार्य श्री महाप्रज्ञ की पुस्तकें 'संबोधि' और 'कर्मवाद' को आधार पुस्तक के रूप में रखा गया। इन पुस्तकों का गहन अध्ययन कर बहिनों ने सक्रियता के साथ प्रश्नोत्तरी में सहभागिता दर्ज कराई। तत्पश्चात् परम पूज्य आचार्य श्री महाश्रमणजी की पुस्तक 'सुखी बनो' एवं 'धम्मां मंगल मुक्किठं' पुस्तक पर आयोजित की गई।

तेरापंथ धर्मसंघ की महान विभूति परम श्रद्धेया असाधारण साध्वी प्रमुखाश्री जी के 50वें चयन वर्ष के उपलक्ष में उनके उदात्त जीवन वृत को उजागर करने वाली कृति चैतन्य रश्मि कनक प्रभा पुस्तक के आधार पर प्रश्नोत्तरी प्रारम्भ की गई।

प्रश्नोत्तरी Google Form के माध्यम से आयोजित की गई थी और इस प्रश्नोत्तरी में बहनों ने अति उत्साह के साथ सहभागिता दर्ज कराई। हालांकि हमारी बुजुर्ग बहनों के लिए यह प्रथम प्रयास हो सकता है। फिर भी सभी ने उत्साह के साथ भाग लिया और इस नई Technology को अपनाया।

प्रतिमाह करीबन् 2000 से भी अधिक प्रविष्ठियां प्राप्त हाती रही। इस प्रश्नोत्तरी में 150 से भी अधिक क्षेत्रों ने भाग लिया। सभी बहनों को मैं साधुवाद प्रेषित करती हूँ एवं धन्यवाद ज्ञापित करती हूँ।

मैं आभार ज्ञापित करती हूँ राष्ट्रीय अध्यक्ष श्रीमती पुष्पा जी बैद का जिन्होंने मुझ पर विश्वास कर इस कार्य को संपादन करने का दायित्व मुझे दिया। आभार महामंत्री श्रीमती तरूणा बोहरा के प्रति एवं विशेष आभार क्षमा जेन के प्रति जिसने प्रतिमाह मुझे तकनीकी सहयोग प्रदान किया। अंत में आभार उन सभी सहभागियों के प्रति जिनके उत्साह ने मेरे कार्य में उत्साह की अभिवृद्धि की।

'ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी' के संचालन में किसी को भी कोई ठेस पहुँची हो तो मैं क्षमायाचना करती हूँ।

मधु देरासरिया

संयोजिका – नारीलोक प्रश्नोत्तरी

ज्ञान चेतना प्रश्नोत्तरी
सितम्बर – 2021

संदर्भ पुस्तक – चैतन्य रश्मि कनकप्रभा (पृष्ठ संख्या 191 से 207)

(अ) रिक्त स्थानों की पूर्ति करें –

1. इस शब्द से तो दोहे की ..... भी टूटती है।
2. एक दिन वे ..... लेकर साध्वियों के प्रवास स्थल पर आए।
3. ..... और निष्पक्ष
4. यह तो आपकी ..... है।
5. साध्वी प्रमुखा श्री जी कब ..... वाली थी।
6. ..... को गुस्सा आता था।
7. ..... में वे आपके दर्शन करने आए।
8. लो बाई, माँजी को ..... रखो।
9. ..... कार्यक्रम हो गया।
10. कोई न ले तो गिद्धी का ..... बना देना।
11. आप ..... कर ही फरमाएं।
12. महाश्रमणजी का मक्खन-सा ..... दिल पिघला।
13. महाराज! मैंने आपका ..... साहित्य पढ़ा।
14. इसका अर्थ है ..... जीवन जीना।
15. इतने में उनकी लड़की ..... लेकर आई।
16. ..... पचखाएं?
17. इस युग में इतना .....?
18. इसी यात्रा में उनका ..... प्रवास बीदासर हुआ।
19. साध्वी प्रमुखाश्री जी का श्री डूंगरगढ़ .....।
20. महाराज! ये ..... बहुत पीते हैं।
21. धर्म का ..... तत्व है।

नोट :
- प्रश्नों के उत्तर Google Form के द्वारा भेजने रहेंगे। अंतिम तिथि 25 सितम्बर 2021 है।
- Google Form की Link आपको Team Group में प्रेषित कर दी जायेगी।
- सभी शाखा के अध्यक्ष/मंत्री से अनुरोध है कि Link अपनी शाखा के सदस्यों तक पहुँचाये।
- प्रश्नोतरी में संभागी बहिनों से अनुरोध है कि Link के लिए अपने अध्यक्ष/मंत्री से सम्पर्क करें।
- अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें –

श्रीमती मधु देरासरिया, सूरत
मो. : 9427133069 E-mail : madhujain312@gmail.com

जुलाई माह के उत्तर

(अ) वाक्य पूर्ण करें –

1. सभा	2. सपना	3. सड़कें	4. प्रवास	5. जिनेश
6. पठां	7. सूझ	8. कान्हा	9. कौशल	10. खेल

(ब) अन्ताक्षरी –

1. मानस	2. समय	3. यह	4. हमारा	5. शहत
6. तल	7. लक्षित	8. तरंगों	9. गोचरी	

जुलाई माह के भाग्यशाली विजेता

1. श्रीमती संगीता इटोदिया – कांदिवली, मुंबई
2. श्रीमती सुमन बोथरा – वाराणसी
3. श्रीमती सुन्दर देवी नाहर – देशनोक
4. श्रीमती शशी बोहरा – पटना
5. श्रीमती मीना मेहता – सायरा
6. श्रीमती बबीता मेहता, जयपुर सी-स्कीम
7. श्रीमती जागृति चोरड़िया – साउथ हावड़ा
8. श्रीमती सुमन बरड़िया – दिल्ली
9. श्रीमती प्रियंका छाजेड़ – भरूच
10. श्रीमती संतोष जैन – नोएडा

विशेष : सभी विजेता बहनों से नम्र निवेदन है कि वे अपना पता श्रीमती मधु देरासरिया को लिखवा दें।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल को मिलने वाला अनुदान

3,00,000 शासन सेवी श्रीमान् पन्नालाल जी-सौभाग देवी, महेन्द्र जी-अल्पना राजलदेसर-जयपुर द्वारा कन्या अधिवेशन हेतु सप्रेम भेंट।

3,00,000 श्रीमती सरिता-दौलत जी, विजिया-कैलाश जी डागा डूंगरगढ़-जयपुर द्वारा कन्या मंडल अधिवेशन हेतु सप्रेम भेंट।

2,50,000 कल्याण मित्र, शासन सेवी बुधमल दुगड़ परिवार रतनगढ़-कोलकाता द्वारा सुश्री प्रेक्षा (सुपुत्री मधु कमल दुगड़) के भावी सुखमय वैवाहिक जीवन के उपलक्ष में सप्रेम भेंट।

51,000 श्रीमती फूल देवी, प्रीति, बबीता जैन-घोषल-लाडनूं-दिल्ली द्वारा सप्रेम भेंट।

51,000 श्रीमती कंचन देवी, ज्योति जैन (श्यामसुखा) द्वारा सप्रेम भेंट।

25,000 श्रीमती रमण-प्रमोद जी पटावरी मोमासर-कोलकाता द्वारा सप्रेम भेंट।

21,000 सुपौत्र प्रणय की शादी के उपलक्ष में श्रीमती तारा देवी बरलोटा, रायपुर-छत्तीसगढ़ द्वारा सप्रेम भेंट।

21,000 श्रीमती नमिता-राजेश जी सिंघी (हैदराबाद-लाडनूं) द्वारा अपने पुत्र आयुष संग कीर्ति के विवाह के उपलक्ष में सप्रेम भेंट।

20,400 श्रीमती मनसुखी देवी की स्मृति में अशोक कुमार – राजू देवी, अमित कुमार – नेहा दुगड़ सरदारशहर-दिल्ली द्वारा सप्रेम भेंट।

11,000 श्रीमती आशा जी सेठिया, जयपुर-बैंगलुरु द्वारा सप्रेम भेंट।

5,100 श्रद्धा की प्रतिमूर्ति श्रीमती सुन्दर देवी पानमल जी सेठिया की पौत्री कुमुद संग राहुल बैद के विवाहोपलक्ष पर भारती-चांदरतन सेठिया, कांदिवली, मुंबई द्वारा सप्रेम भेंट।

2,100 स्व. श्री उम्मेदसिंह जी बोथरा की स्मृति में श्रीमती तारा देवी बोथरा, लाडनूं द्वारा सप्रेम भेंट।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा सभी अनुदानदाताओं के प्रति हार्दिक आभार !

अध्यक्षीय कार्यालय : श्रीमती पुष्पा बैद – ''पावन'' बी-106/107, विद्युत नगर-बी, क्वीन्स रोड़, जयपुर – 302021
मो. : 9314194215, 8209004923 ईमेल pushpabaid312@gmail.com

महामंत्री कार्यालय : CA तरूणा बोहरा – 301, साधना पैलेस, मराठा कॉलोनी, दहिसर (पूर्व) मुम्बई – 400068
मो. : 8976601717 ईमेल tarunajain365@gmail.com

कोषाध्यक्ष कार्यालय : श्रीमती रंजु लुणिया – लुणिया मार्केटिंग प्रा. लिमिटेड, बड़ा बाजार, छेरा बस स्टॉप के पास, शिलोंग-793001 (मेघालय) मो: 94361033330, 8787645164 ईमेल lmplshillong@gmail.com

नारीलोक संपादन सहयोगी : श्रीमती गुलाब बोथरा मो : 9462342976

नारीलोक देखें website : www.abtmm.org